IJRAR.ORG E-ISSN: 2348-1269, P-ISSN: 2349-5138
INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS (IJRAR) | IJRAR.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि के स्वरूप का भौगोलिक अध्ययन

डा॰सुमित कुमार सोनी
गोड़पारा राजा राम मंदिर के सामने
बिलासपुर छत्तीसगढ

सांरश :-

विश्व जनसंख्या दिवस थीम :-

" एक ऐसी दुनियां की कल्पना करें जहां हममें से सभी 8 अरब लोगो का भविष्य आशाओ और संभावना से भरपूर हो " छत्तीसगढ एक समृद्ध राज्य है प्रदेश तीव्र गति से आर्थिक विकास करता एक गतिशील राज्य है। अनेक प्रकार के खनिज सम्पदा से बहुल क्षेत्र जिससे आधारित अनेक उद्योग संयंत्र के निर्माण तथा औद्योगिक प्रदेश की पहचान बनते जा रहा है। प्रदेश कृषि उत्पादन में परम्परागत कृषि के स्थान पर आधुनिक कृषि की ओर बढ़ता जा रहा है जिसका परिणाम से राज्य में अनेक रोजगार के साधनो सृजन ,निर्माण कार्यो में वृध्दि से एक तरफ रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त हो रहा है। दूसरी तरफ आर्थिक आकर्षण के कारण दूसरे राज्यो से लोगो का आगमन सें तथा नगरीकरण में वृध्दि सें प्रदेश में जनसंख्या तीव्रगति से बढ़ती जा रही है। प्रदेश में जनसंख्या वृध्दि 22.61 प्रतिशत तथा जनसंख्या घनत्व 189 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर है। जनसंख्या में वृध्दि भी 2001 में 2.1 करोड़ थी जो बढ़कर 2011 में 2.55 करोड़ हो गया है वर्तमान में 2024 में जनसंख्या अनुमानित 3.05 करोड़ हो गई है। प्रदेश में लिंगानुपात एक हजार पुरुषो में 991 स्त्री की संख्या है। जनसंख्या के वितरण और घनत्व में भौतिक, आर्थिक, सामाजिक कारको का प्रभाव पड़ा है।

कीवर्ड :- छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि, घनत्व, छत्तीसगढ जनसंख्या वितरण, कारक,,साक्षरता,आर्थिक विकास

प्रस्तावना :-

आर्थिक विकास के इस युग में जहां भारत तीव्रगति से विकास करता हुआ विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनी है। देश के विकास में छत्तीसगढ का महत्वपूर्ण योगदान है ,छत्तीसगढ भरपूर खनिज सम्पदा और वन बाहुल्य सें परिपूर्ण शांतिपूर्ण राज्य है।छत्तीसगढ का आर्थिक वृध्दि 7.67 प्रतिशत कुल अर्थव्यवस्था में वृध्दि (आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24) माना गया है। छत्तीसगढ राज्य का निर्माण 1 नवंबर 2000को हुआ तब से आज तक 23 वर्षो में राज्य का विकास तीव्र गति से हो रहा है। राज्य में 1 मार्च 2024 की स्थिति में छत्तीसगढ की कुल कार्यशील जनसंख्या का का

प्रतिशत 48.72 है। पुरुष कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत 57.97 तथा महिलाओ का प्रतिशत 39.40 है। राज्य एक कृषि प्रधान प्रदेश जिसमें कृषि पर 80 प्रतिशत जनसंख्या निर्भर हैं। छत्तीसगढ की जनसंख्या 2001 में 20833803 थी जो बढ़कर 2011 में 25545198 हो गई है।प्रदेश में जनसंख्या वृध्दि दर 22.61 प्रतिशत रही है तथा जनसंख्या घनत्व 2001 में 154 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर थी जो बढ़कर 189 प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया (2011) है। 2024में छत्तीसगढ की जनसंख्या 30524000 अनुमानित उसमें पुरुष 15308484 और महिलाओ की संख्या 15215516 मानी गई है तथा जनसंख्या वृध्दि दर 19.49 प्रतिशत है और जनसंख्या घनत्व 226 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर हो गया है। देश की जनसंख्या में छत्तीसगढ का प्रतिशत 2.1 तथा देश में 16 वां स्थान है। क्षेत्रफल की दृष्टिकोण से देश का छत्तीसगढ का योगदान 4.11 घेरता है ,इस आधार पर देश में 9वां स्थान है।

छत्तीसगढ के निर्माण के समय तीन संभाग, 16 जिला,146 विकासखण्ड,96 तहसील थी ,जो अब 5 संभाग 33 जिला हो गया। छत्तीसगढ में साक्षरता का प्रतिशत 70.28 तथा लिंगानुपात 1000 पुरुषो में 991 स्त्री है।छत्तीसगढ में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदेश की पहचान बन रही है। राज्य में मातृ मृत्यु दर एक लाख प्रति जीवत जन्मों में 137 हो गया है ,तथा शिशु मृत्यु दर 38 हो गया है।वही सतत् विकास लक्ष्य में वर्ष 2030 तक प्रदेश में शिशु मृत्यु दर 15 करने का लक्ष्य है। छत्तीसगढ में 2011 से 2024में जनसंख्या वृध्दिदर 19.46 प्रतिशत है। राज्य में जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है,इसका कारण अनुकूल जलवायु ,शांति प्रिय राज्य, औद्योगिक प्रगति,आर्थिक विकास के नये आयाम और अवसर है। प्रदेश एक युवा राज्य तथा युवा सोच नें इसे ओर तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है।छत्तीसगढ शासन की विभिन्न योजनाए ने भी क्षेत्र के विकास ने योगदान दिया है। प्रदेश मे जनसंख्या वृध्दि के साथ ,निर्माण कार्यो,परिवहन साधने विकास के कारण ग्रामीण जनसंख्या में परिवर्तन नगरीय जनसंख्या वृध्दि के परिणाम स्वरूप कही विकास हो रहा है तो दूसरी तरफ पर्यावरण समस्या ,आवास, मलीन बस्ती समस्या, स्वच्छ पानी ,बिजली,स्वास्थ्य सेवा की समस्या बढ़ती जा रही है। मध्य प्रदेश के पूर्व भाग में छत्तीसगढ स्थित है। इसका अक्षांशीय विस्तार 17°46' सें 24°5' उत्तरी अक्षांश तथा देशांतरीय विस्तार 80°15' से 84°25' पूर्वी देशांतर तक है।

कर्क रेखा 23°30' छत्तीसगढ के उत्तरी भाग मनेंद्रगढ़-चिरकारी -भरतपुर, कोरिया, सूरजपूर,बलरामपुर गुजरती है।भारतीय मानक रेखा 82°30' पूर्वी देशांतर कोरिया,सूरजपुर ,कोरबा जांजगीर-चांपा ,बलौदाबाजार ,महासमुंद, गरियाबंद से हो कर गुजरती है। कर्क तथा भारतीय मानक रेखा (पूर्वी देशांतर) का कटान बिन्दू कोरिया जिले के सोनहत क्षेत्र की बालम की पहाड़ी में स्थित है छत्तीसगढ की लम्बाई उत्तर से दक्षिण 700 से 800 किलोमीटर ,पूर्व तथा पश्चिम को लम्बाई 435 किलोमीटर और क्षेत्रफल 135192 वर्ग किलोमीटर है।छत्तीसगढ राज्य को स्पर्श करते सात राज्य (उत्तर प्रदेश , झारखंड ,उड़ीसा ,तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश) है।

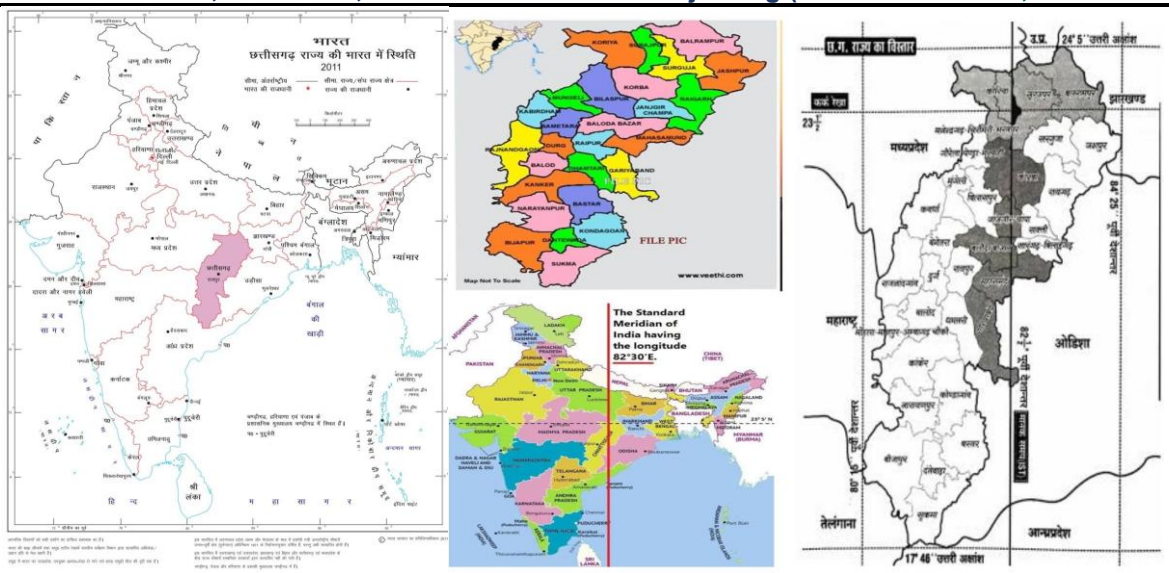

प्रदेश में वनों का क्षेत्रफल 59772 वर्ग किलोमीटर (44.21) और तीन राष्ट्रीय उद्यान तथा 11 अभ्यारण्य है। राज्य वन आवरण की दृष्टिकोण सें 4 स्थान रखता है। सामाजिक - आर्थिक विकास के लिए परिवहन एंव संचार महत्वपूर्ण कारक है जो व्यक्ति को गतिशील बनाती है रेलमार्ग का विकास 1882 से प्रारंभ जो वर्तमान तक जारी है। छत्तीसगढ में सड़को की लम्बाई 34765 किलोमीटर जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग 3526 किलोमीटर जो मुख्य नगरो तथा औद्योगिक क्षेत्र को जड़ता है।

" जनसंख्या को व्यक्तियो की कुल संख्या के रुप में परिभाषित किया जा सकता है चाहे वह मानव,पशु ,पौधा आदि हो सूक्ष्मजीव, किसी विशिष्ट क्षेत्र या पारिस्थितिक तंत्र में निवास करना "

उद्देश्य :-

- छत्तीसगढ की जनसंख्या वृध्दि का अध्ययन करना।
- छत्तीसगढ की जनसंख्या घनत्व तथा वितरण का विश्लेषण करना।
- छत्तीसगढ की आयु संरचना तथा साक्षरता का अध्ययन करना।
- छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि के कारणो को जानना तथा प्रक्रिया एंव स्तर का मापन करना।
- जनसंख्या वृध्दि के प्रभाव संसाधनो पर अध्ययन करना।
- जनसंख्या वृध्दि के परिणाम विवेचनात्मक अध्ययन ।
- जनसंख्या प्रतिरूप का विश्लेषण करना।
- जनसंख्या वृध्दि में सरकार के प्रयासो का अध्ययन करना।
- जनसंख्या वृध्दि से वन क्षेत्रो पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- जनसंख्या वृध्दि का भविष्य पर प्रभाव को स्पष्ट करना।

आंकड़ो के स्त्रोत :-

छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि के स्वरूप का भौगोलिक अध्ययन के लिए जनगणना के प्रकाशित आकड़े के साथ विभिन्न नगरो से एकत्र आंकड़ो के आधार पर है। जिला सांख्यिकीय कार्यालय तथा भूमि उपयोग कार्यालय ,नगरपालिका,निगम कार्यालय, समाचार पत्र और नेट से प्राप्त व्यतीत आंकड़ो के आधार पर है

सारणीबद्ध आरेखन एंव विधि :-

उपयुक्त अध्ययन के लिए विभिन्न मानचित्रांकन तकनीक के साथ साथ रेखी आलेखो का उपयोग किया गया है।छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि के लिए छाया विधि,लारेंज वक्र , अन्य विधियो का उपयोग किया गया है । क्षेत्र अध्ययन के लिए विश्लेषणात्मक तथा विवरणात्मक विधि का भी उपयोग किया गया है ।

छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि :-

जनसंख्या वृध्दि किसी भी क्षेत्र में लोगो की संख्या बढ़ने को कहा जाता है ।आगे भी इसकी संख्या में बढ़ाव की ही उम्मीद है और ये अंदाजा लगाया गया है कि 2030 तक मध्य आबादी प्रदेश कि 4 करोड़ हो जाएगी । भारत का क्षेत्रफल 3287263 वर्ग किलोमीटर में छत्तीसगढ का क्षेत्रफल 135192 वर्ग किलोमीटर घेरता है जिसका देश के क्षेत्रफल में छत्तीसगढ का योगदान 4.11 है। भारत की जनसंख्या 2011 में 121 करोड़ रही जो 2024 अनुमानित 142 करोड़ लगभग हो गया है। छत्तीसगढ में जनसंख्या अनुमानित 2024 में 30524000 है । 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में 2.56 करोड़ जनसंख्या रही जो 2001 की जनगणना रिपोर्ट में 2.08 करोड़ से अधिक है । छत्तीसगढ की जनसंख्या 2011 में 25545198 है जिसमें पुरुष 12832895 और 12712303 महिलाओ की संख्या रही है ।

छत्तीसगढ की जनसंख्या भारत की 2.11 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है । भारत में जनसंख्या वृध्दि 17.7 प्रतिशत और छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि 2011 में 22.61 प्रतिशत है जो 2001 जनसंख्या वृध्दि 18.06 प्रतिशत से अधिक है । प्रदेश में लिंगानुपात 2001 में 989 थी जो बढ़कर 2011 में 991 रही है । छत्तीसगढ एक आदिवासी राज्य है यहां साक्षरता का प्रतिशत 70.28 जिसमें पुरुष 80.27 प्रतिशत और 60 प्रतिशत महिलाओ रही हैं । 2024 में छत्तीसगढ की जनसंख्या कितनी हैं आखरी जनगणना 2011में हुआ था । लेकिन 2021 में गणना स्थागित रही लेकिन सम्भावित जनसंख्या वृध्दि के आधार पर 2024 का अनुमान 3.05 करोड़ लगाया जा सकता है ।

छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि अनुमानित

तालिका:- 1

क्र	वर्ष	जनसंख्या करोड़ो में 2001 -24	
1	2001	2.08	
2	2011	2.55	
3	2021	3.06	
4	2022	3.11	
5	2023	3.01	
6	2024	3.05	

स्त्रोत :- समाचार पत्र व्दारा

छत्तीसगढ के भौतिक भाग को चार भागो (पूर्वी बघेलखण्ड, जशपुर सामरीपाट,महानदी बेसिन ,दण्डकारण्य भाग) में बाटा गया है। छत्तीसगढ में अधिकांश जनसंख्या का जमाव मैदानी भागो तथा नदी तटीय प्रदेश में पायी जाती है । छत्तीसगढ की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसूनी है जो मानव निवास के अनुकूल वातावरण तैयार करती है । जनसंख्या वृध्दि के कारण भोजन, वस्त्र, आवास की समस्या विकराल होती जा रही है ।

छत्तीसगढ में नगरीय एंव ग्रामीण जनसांख्यिकीय स्वरुप :-

जनसंख्या की वृदि ग्रामीण और नगरी दोनो क्षेत्रो में देखा गया ।ग्रामीण जनसंख्या का नगर की ओर आने से नगरीय अर्थव्यन्स्था में विकास से नगरीय जनसंख्या में वृध्दि से देखी गई है इसका कारण ,शिक्षा ,स्वास्थ्य,विद्युत, आवास, यातायात मुख्य सुविधाए है 1951 मे जहां शहरीकरण 4.88 प्रतिशत (3.64 लाख) था तथा ग्रामीण प्रतिशत 1951 में 95.12 प्रतिशत रहा । यह वर्ष 2011 बढ़कर 23.24 (59.37 लाख) नगरीय एंव 76.76 प्रतिशत ग्रामीण रहा है।आज विश्व में तीव्र आर्थिक वृध्दि के कारण शहरीकरण बढ़ता जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप मानव सभ्यता अधिक नगरीय होती जा रही है , अधिक जनसंख्या की आवश्यकतानुसार वस्तु ,उपभोग की दृष्टिकोण से उत्पादन अधिक होता है । अर्थव्यवस्था के अनुसार उच्च जनसंख्या एंव जनसंख्या घनत्व लेन-देन का व्यय तथा सेवा को सस्ता बनाती है शहर विकास का इंजन है

भारत की कुल जनसंख्या में छत्तीसगढ की कुल जनसंख्या,ग्रामीण -नगरीय प्रतिशत

तालिका 2

क्रमांक	वर्ष	छ.ग.जनसंख्या (करोड़ मे)	ग्रामीण प्रतिशत	नगरीय प्रतिशत
1	2011	2.11	2.35	1.7
2	2012	2.12	2.36	1.58
3	2013	2.12	2.37	1.59
4	2014	2.13	2.37	1.60
5	2015	2.13	2.38	1.61
6	2016	2.14	2.39	1.62
7	2017	2.14	2.40	1.63
8	2018	2.15	2.40	1.64
9	2019	2.15	2.41	1.65
10	2020	2.16	2.42	1.66
11	2021	2.16	2.43	1.66
12	2022	2.17	2.43	1.67
13	2023	2.17	2.44	1.68
14	2024	2.18	2.45	1.69

स्त्रोत:-आर्थिक सर्वेक्षण छत्तीसगढ 2022-23 पृष्ठ 12

छत्तीसगढ में शहरी एंव ग्रामीण जन स्वरूप की गति 2011

तालिका -3

क्र	पद	1951	1961	1971	1981	1991	2001	2011
1	कुल जनसंख्या (लाखो)	74.57	91.54	116.37	140.1	176.15	208.34	255.45
2	दशकों वृध्दि दर	9.42	22.77	27.12	20.39	25.73	18.37	22.61
3	ग्रामीण जनसंख्या लाखो मेंय	70.93	83.91	104.2	119.5	145.5	166.4	196
4	ग्रामीण जनसंख्या वृध्दिदर प्रतिशत		12.98	20.38	15.23	25.98	20.97	29.61
5	शहरी जनसंख्या (लाख)	3.64	7.63	12.08	20.58	30.65	41.86	56.37
6	दशकों शहरी जनसंख्या वृध्दि दर		109.52	58.37	70.39	48.9	36.58	41.84
7	शहरी जनसंख्या में दशकों वृध्दि दर		3.99	4.45	8.5	10.07	11.21	17.51
8	कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	4.88	8.33	10.38	14.69	17.4	20.09	23.24
9	कुल जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशत	95.12	91.67	89.62	85.31	82.6	79.91	76.76

स्त्रोत :-छत्तीसगढ आर्थिक सर्वेक्षण 2023 -24

छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि एंव घनत्व 1901 -2024

तालिका :- 4

क्र	वर्ष	जनसंख्या वृध्दि प्रतिशत	भारत मे घनत्व (प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर)	छत्तीसगढ घनत्व (प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर)
1	1901 -11	24.15	73	31
2	1911 - 21	1.41	77	38
3	1921 - 31	14.51	76	39
4	1931 - 41	13.04	85	45
5	1941- 51	9.42	97	50

6	1951 - 61	22.77	110	55
7	1961 - 71	27.12	134	68
8	1971- 81	20.39	167	86
9	1981 - 91	25.73	208	104
10	1991 - 2001	18.27	267	130
11	2001 - 2011	22.59	325	154
12	2011 - 2024	19.49	382	189

स्त्रोत :- अंतिम जनगणना रिपोर्ट 2011 पृष्ठ संख्या -

35

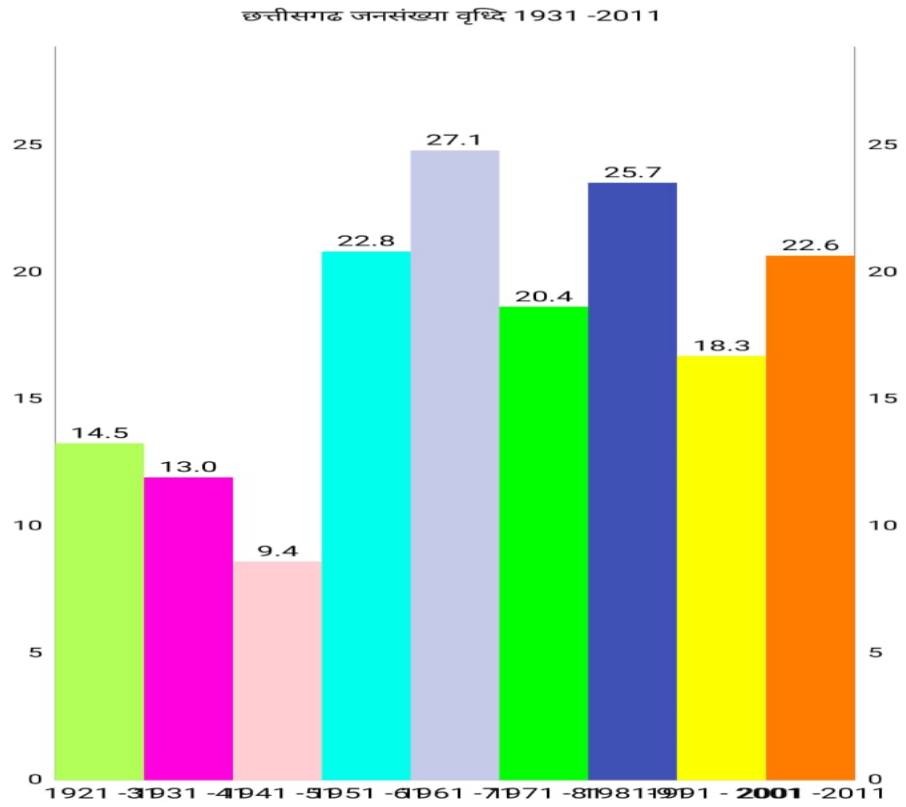

जनसंख्या वृध्दि कारण :-

A . **उच्च जन्म दर तथा निम्न मृत्युदर** :-

जनसंख्या वृध्दि का मुख्य कारण उच्च जन्म दर और निम्न मृत्युदर है ।देश में आर्थिक तथा मेडिकल क्षेत्र में विकास के कारण मृत्युदर में कमी आती जा रही लेकिन यह जन्म दर में दिखाई नहीं दे रही हैं । जिस कारण से जनसंख्या में वृध्दि हो रही है । 28 नवंबर 2022 को भारत के महापंजीयक कार्यालय व्दारा जारी वर्ष 2018 -2020 के बीच देशो में मातृत्व मृत दर पर SRS(Semple registration system) जारी किया गया ।छत्तीसगढ प्रदेश के MMR में 22 अंको की कमी आई है । प्रदेश में प्रति एक लाख जीवित बच्चो के जन्म दर पर मातृमृत्यु की दर 159 से घटकर अब 137 हो गई है ।

छत्तीसगढ के स्वास्थ्य सूचकांक तालिका :- 5..

क्र	सूचकांक	2019 -21			2020		
		शहर	ग्रामीण	कुल	शहरी	ग्रामीण	कुल
1	असंसोधित जन्म दर				17.3	23.4	22.0
2	कुल प्रजनन दर	1.4	1.9	1.8			
3	शिशु मृत्युदर	26.2	48.7	44.3	31.0	40.0	38.0
4	5 वर्ष के नीचे मृत्युदर	28.9	55.8	50.4			
5	अघोषित मृत्युदर				6.3	8.4	7.9

स्त्रोत :- NFHS - 2019 - 21

राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाए और उनके बेहतर क्रियान्वयन के परिणाम अच्छे मिल रही है। तालिका 3 में राष्ट्रीय **परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5** के अनुसार इस दौरान नवजात मृत्युदर 42.1 प्रतिशत घटकर 32.4 प्रतिशत हो गई है। शिशु मृत्युदर में कमी काफी कमी आई और यह 54.0 प्रतिशत से घटकर 44.3 प्रतिशत हो गई है। पांच वर्ष सें कम उम्र के बच्चो की मृत्युदर में कमी आई 64.3 प्रतिशत से घटकर 50.4 प्रतिशत हो गई है। छत्तीसगढ के आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 **अंशोधित जन्म दर एंव मृत्युदर वास्तविक तथा अनुमानित पृष्ठ संख्या 353** मे वर्णन है ।

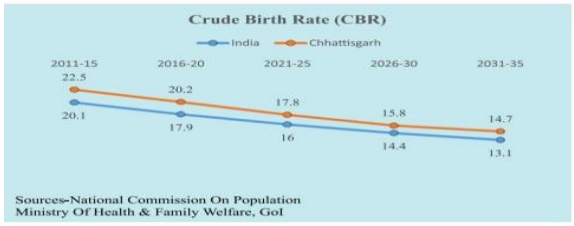

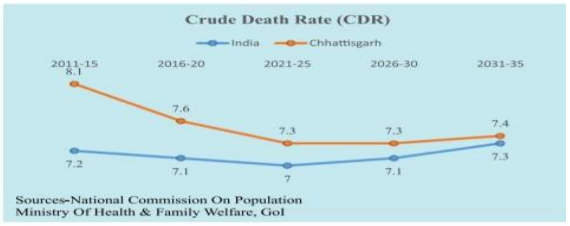

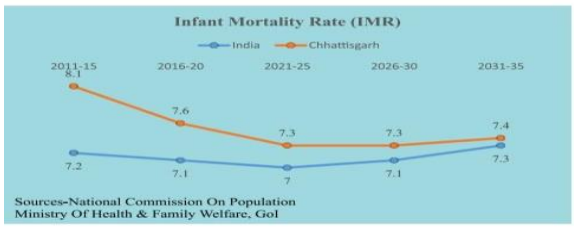

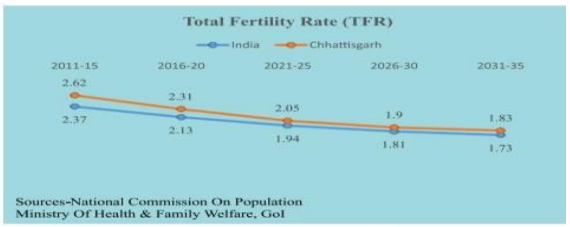

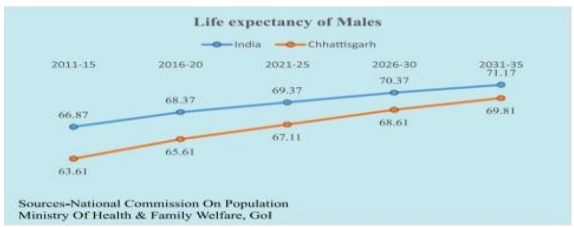

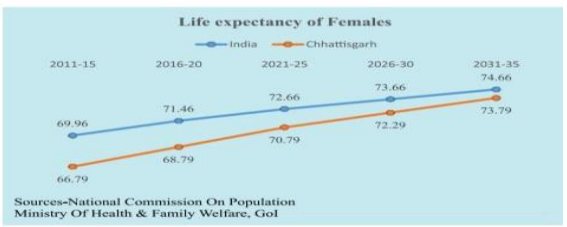

जीवन प्रत्याशा 2021 सें 2025 हेतु पुरुष एंव महिला की अनुमानित जीवन प्रत्याशा छत्तीसगढ राज्य के लिए 69.40 तथा 72.70 है। छत्तीसगढ राज्य के 2010-11(वास्तविक) 22.5 अंशोधित जन्म दर है तथा 2021-25 में अंशोधित जन्म दर 17.8 है। इसी प्रकार अंशोधित मृत्युदर 8.1 प्रतिशत तथा 7.3 प्रतिशत है। प्रदेश में शिशु की मृत्युदर को न्युनतम करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहे है। राज्य में 14 मेडिकल कॉलेज 26 जिला अस्पताल एंव प्राइवेट अस्पताल बहुत है

B . **आयु संरचना :-**

देश में आयु संरचना भी जनसंख्या वृध्दिदर में सहायक सिद्ध हो गई है। 0-14 वर्ष की आयु वालो की संख्या 26. 31 प्रतिशत है तथा 25 - 54 वर्ष आयु वाले की संख्यात्मक दृष्टिकोण से 41.56 प्रतिशत है। 55 -64 वर्ष का आयु का प्रतिशत 7.91 तथा 65 वर्ष का आयु प्रतिशत 6.72 है। प्रदेश में युवाओ की संख्या प्रतिशत या जनसंख्या की बाहुल्यता है इसी लिए सन्तानोत्पति अधिक होती है।छत्तीसगढ की जनसंख्या पिरामिड आरेख से समझा जा सकता है ।

छत्तीसगढ का पिरामिड आरेख 2011 - 21.

तालिका - 6

क्र	आयु संरचना	छत्तीसगढ पिरामिड 2011 प्रतिशत		छत्तीसगढ पिरामिड 2021 प्रतिशत	
		महिला	पुरुष	महिला	पुरुष
1	00 - 04	10.40	10.50	9.11	9.58
2	05 - 09	10.60	10.80	9.30	09.76
3	10 - 14	10.80	11.00	8.84	9.07
4	15 - 19	10.20	10.30	9.18	9.40
5	20 - 24	9.20	9.30	9.42	9.54
6	25 - 29	8.10	8.20	8.83	8.91
7	30 - 34	7.30	7.30	7.84	7.94
8	35 - 39	6.80	6.80	6.87	6 94
9	40 - 44	6.10	6.20	6.18	6.12
10	45 - 49	5.00	5.30	5.72	5.62
11	50 - 54	3.90	4.10	5.04	5.04
12	55 - 59	3.30	3.20	4.08	4.22
13	60 - 64	2.90	2.60	3.11	2.99
14	65 -69	2.30	2.00	2.42	2.08
15	70 - 74	1.70	1.50	1.91	1.41
16	75 - 79	0.79	0.70	1.24	0.84
17	80 +	0.50	0.40	0.91	0.63

स्त्रोत - छत्तीसगढ आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23पृष्ठ भाग 18,19

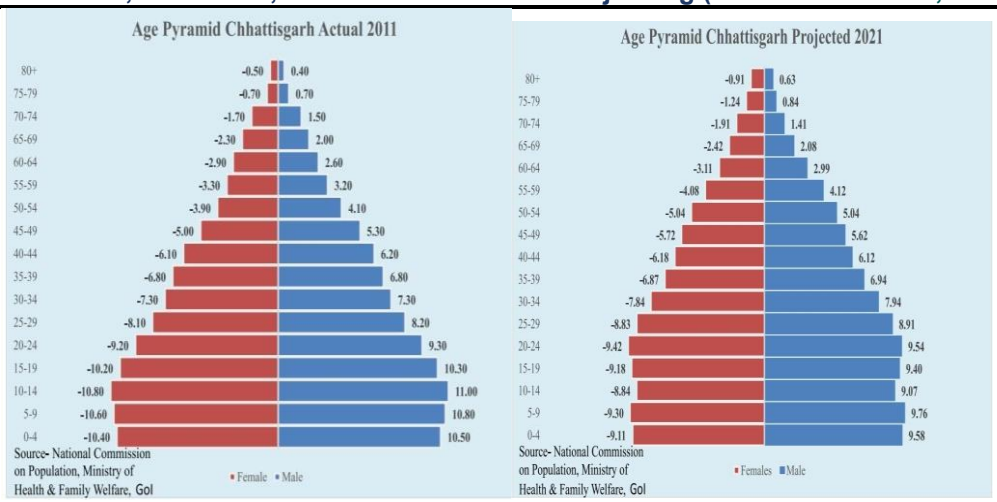

C.**विवाह की अनिवार्यता :-**

भारत में सभी लोग चाहे वे रोगी हो,अपाहिज और निर्धन सभी विवाह करना चाहते है। मानव सन्तानोत्पति करना एक धार्मिक कर्तव्य मानता है। NFHS -5 के अनुसार 23.3 प्रतिशत महिलाओ की शादी 18 साल की आयु की कानूनी आयु प्राप्त करने से पहले हुई तथा NFHS - 4 में यह प्रतिशत जो 26. 8 थी। पुरुष में कम उम्र में विवाह का प्रतिशत 17.7 रहा , इससे स्पष्ट होता है कि महिलाओ की शादी जल्दी हो जाती है। बाल विवाह प्रजनन क्षमता बढ़ाकर जनसंख्या वृध्दि में योगदान देता है। छत्तीसगढ के पिछड़े क्षेत्रो मे विवाह छोटी उम्र में ही कर दी जाती है। हिन्दुओ की अपेक्षा मुस्लिम स्त्रियो के धार्मिक कारणो से अधिक बच्चे पैदा होते है जो जनसंख्या वृध्दि में सहायक सिद्ध हुई है। अधिकांश माता - पिता पुत्र के जन्म को ही अधिक महत्व देते है। विवाह की अनिवार्यता हिन्दुओ में मोक्ष प्राप्ति के लिए विवाह को एक अनिवार्य धार्मिक संस्कार के रुप में देखा जाता है।

D. अशिक्षा एंव निम्न जीवन स्तर :-

भारत के स्वतंत्रता के समय साक्षरता मात्रा 12 प्रतिशत थी जो बढ़कर 2011 में बढ़कर 74.04 प्रतिशत हो गया। परन्तु अब भी भारत के सामान्य दर बहुत पीछे है। भारत मे संसार की सबसे अधिक अनपढ जनसंख्या निवास करती है अशिक्षा के अनेक कारण हो सकते है जनसंख्या के अनुपात में विद्यालय की संख्या कम होना ,गरीबी,जातिवाद, अंधविश्वास, आदि।

भारत एंव छत्तीसगढ साक्षरता प्रतिशत तालिका :-7

व्यक्ति	भारत की साक्षरता				छत्तीसगढ की. साक्षरता		**सबसे कम साक्षरता 2023 मे :-** सुकमा,बीजापुर, नारायणपुर
	1981	1991	2001	2011	2001	2011	
पुरुष	56.4	64.1	75.26	82.12	77.86	80.27	**सबसे अधिक साक्षरता 2023 में :-** दुर्ग, रायपुर, बलौद,राजनांदगांव
महिला	29.8	39.3	53.67	65.46	53.40	60.24	
कुल व्यक्ति	43.6	52.2	65	74.04	65.18	70.24	

स्त्रोत :- भारत मे साक्षरता की प्रगति पर संगोष्ठी जनगणना 2001,नई दिल्ली 5 अक्टूबर 2002

तालिका 7 तथा 9 में साक्षरता का प्रतिशत से स्पष्ट है कि देश तथा छत्तीसगढ राज्य में महिला साक्षरता का दर पुरुष की अपेक्षित बहुत ही कम है जब नारी शिक्षित होगी तो समाज तथा घर और देश जनसंख्या वृध्दि में कमी होगी। छत्तीसगढ प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रो में आंकड़े और भी कम हैं। जनसंख्या को लेकर लोगो में कई तरह की भ्रांतिया है ,गरीब लोग एक अतिरिक्त संतान को कमाई का अतिरिक्त हाथ मानते है। भारत में आज भी बहुत से लोग बच्चो को ईश्वर की देन मानते है। कुछ लोग तो बच्चो को धर्म से जोड़कर भी देखते है। गर्भ निरोधक का प्रयोग करना धर्म के खिलाफ समझते है। इन सभी का परिणाम जनसंख्या वृध्दि के रूप में सामने आता है। जनसंख्या का आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़ा होना भी रहा है। छत्तीसगढ सुकमा जिला में साक्षरता का प्रतिशत 34.81 सबसे कम है और सबसे अधिक दुर्ग 82.56 प्रतिशत (2023 आर्थिक सर्वेक्षण) है।

E . गर्म जलवायु का होना :-

भारत में जनसंख्या वृद्धि का कारण गर्म जलवायु है। गर्म देशो में ठंडे देशो की तुलना में विवाह जल्दी किया जाता है क्योकि जलवायु के प्रभाव सें परिपक्वता की अवस्था शीघ्र ही प्राप्त हो जाती है। इसलिए संतान उत्पति की अवधि अधिक होने के कारण जन्म दर का बढ़ना स्वाभाविक हो जाता है।

छत्तीसगढ राज्य भारत का युवा राज्य है यहां की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसूनी है। छत्तीसगढ की जलवायु गर्म (उष्ण) और आर्द्र होती है जिसका कारण कर्क रेखा से निकटता है। इन कारणो का जनसंख्या पर प्रभाव पड़ता है।

F . आर्थिक कारण :-

भारत में व्यावसायिक ढांचे में प्राथमिक व्यवसाय का बाहुल्य हैं। देश में 58.6 प्रतिशत आबादी के लिए आजीविका का प्राथमिक कार्यो में लगी हुई है। जिसके लिए परिवार का बड़ा आकार ही उपयुक्त समझा जाता है। भारत में अभी भी कृषि परम्परागत पुराने ढंग से की जाती है जिसमें अधिक श्रमशक्ति की आवश्यकता पड़ती है। छत्तीसगढ राज्य कृषि प्रधान प्रदेश है लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्यो में सलंग्र है प्रदेश में 40.10लाख कृषक परिवार में से 82 प्रतिशत लघु सीमांत श्रेणी में आते है। प्रदेश में औद्योगिकीकरण का स्तर नीचा है। जिससे शहरीकरण भी यहां कम हुआ है इससे लोगो में शहरी मानसिकता का विकास नहीं हो पाया। भारत में लोगो की प्रतिव्यक्ति आय निम्न तथा रहन सहन का स्तर नीचा है और मनोरंजन के साधनो को अभाव है। निम्न स्तर पर रहने वाले व्यक्ति अपने बच्चो के लिए बहुत ऊंचे स्तर की बात नहीं सोच पाते है रहन सहन का नीचा स्तर रहने पर शिक्षा का स्तर तथा विवाह की आयु भी नीचा रहता है। छत्तीसगढ के ग्रामीण क्षेत्रो में मनोरंजन के साधनो की कमी है। सर्वमान्य है कि धनवान की अपेक्षा गरीब के अधिक बच्चे होते है।

G.ग्रामीण समाज :-

भारतीय समाज अभी भी बहुत हद तक ग्रामीण समाज है। अन्य देशों की अपेक्षा यहां नगरीकरण कम हुआ है। सन् 2011 की जनगणना कें आंकड़ो के अनुसार देश की 68.84 प्रतिशत जनसंख्या गांव में निवास करती तथा 31.16 प्रतिशत लोग नगरो में निवास करते है। छत्तीसगढ में सन् 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में जहां 76.76 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या और 23.24 प्रतिशत नगरीय जनसंख्या निवास करती है। सन् 2011के अनुसार 10971 ग्राम

पंचायतें तथा 20126 ग्राम है। गांव के अधिकतर लोग कृषि कार्य तथा सादगीपूर्ण जीवन बिताते है। यहाँ के लोग अपनी प्राचीन परम्पराओ तथा सादगीपूर्ण में बंधे रहते है तथा संयुक्त परिवार से सम्बध्द रहने के कारण कम आयु में ही विवाह कर लेते है। परिवार नियोजन के विधान को अपनाने में कोई खास रुचि नहीं दिखाई नहीं देती इसलिए गांव में जन्म दर ऊंची रहती है। प्रदेश में सन् 2011 में ग्रामीण जनसंख्या 196.08 लाख है। किसी भी अर्थतंत्र की प्रगति के लिए ग्रामीण विकास महत्वपूर्ण माना जाता है। छत्तीसगढ में ग्रामीण विकास की गति चिंता का विषय बन गई हैं।

छत्तीसगढ में प्रशासनिक ईकाई

तालिका :-8

क्र	संभाग	जिले	जिला	वि.ख	तहसील	नगर-निगम	वर्तमान में छत्तीसगढ प्रशासनिक ईकाई :- संभाग - 05 जिला - 33 अनुविभागीय -117 तहसील- 251 ग्राम - 20576 नगर निगम -14 नगर पालिका परिषद- 47 नगर पंचायत - 123 नगरीय निकाय - 183
1	रायपुर	रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी,महासमुंद गरियाबंद	05	23	36	3	
2	बिलासपुर	बिलासपुर ,रायगढ, कोरबा,जांजगीर- चांपा ,मुगेली, गौ.पे.म, सक्ति ,सारंगढ़- बिलाईगढ़	08	34	63	3	
3	बस्तर	बस्तर, कांकेर,दंतेवाड़ा, सुकमा,नारायणपुर, बीजापुर, कोण्डागांव	07	32	45	01	
4	दुर्ग		07	25	42	05	
5	सरगुजा	सरगुजा,जशपुर, कोरिया,सूरजपूर, बलरामपुर, म-चि-भरतपुर	06	32	47	02	
योग			33	146	233	14	

स्त्रोत :- नगरी प्रशासन एंव विकास विभाग छत्तीसगढ

छत्तीसगढ की जनसंख्या, घनत्व लिंगानुपात, साक्षरता प्रतिशत 2011.

तालिका :-9

क्र	जिला	जनसंख्या 2011	क्षेत्रफल	घनत्व 2011	लिंगानुपात	साक्षरता	क्र	जिला	जनसंख्या	क्षेत्रफल	घनत्व	लिंगानुपात	साक्षरता
1	बिलासपुर	1625502	3508.48	463	970	74.46	18	धमतरी	799781	4081.93	196	1010	78.36
2	गौ-पेन्ड्रा-मरवाही	336420	2307.39	146	—--	65.21	19	महासमुंद	1032754	4963.01	208	1017	71.02
3	मुंगेली	701707	2750.36	255	974	64.75	20	दुर्ग	1721948	2238.36	769	966	82.56
4	जांजगीर-चांपा	966671	2375.59	407	986	74.49	21	बलोद	826165	3527	234	1022	80.28
5	सक्ति	653036	1477.41	442	—--	71.00	22	बेमेतरा	795759	2851.81	279	1001	69.87
6	रायगढ	1112982	5203.89	224	991	73.56	23	राजनांदगांव	884742	4323.42	205	1015	78.46
7	सारंगढ़-बिलाईगढ़	607434	2603.97	233	—---	71.01	24	खैरा-छु-गंडई	368444	1553.84	144	—-----	70.01
8	कोरबा	1206640	6598	183	969	72.27	25	मो-मा-अंबागढ़	283947	2145.29	132	—------	75.69
9	सरगुजा	840352	5732.24	146	980	60.86	26	कबीरधाम	822526	2854.81	288	996	60.85
10	बलरामपुर	730491	7213	102	973	57.98	27	बस्तर	834375	6596.90	126	1017	53.15
11	सूरजपूर	789043	2786.76	283	981	60.95	28	कांकेर	748942	6265.37	144	1006	70.29
12	कोरिया	277630	2377.17	117	968	71.47	29	दंतेवाड़ा	283479	3410.50	83	1023	48.63

13	म-चि-भरतपुर	381287	4226.83	91	—---	70.04	30	नारायणपुर	139820	4653	30.	994	48.62
14	जशपुर	851669	5838	146	1005	67.92	31	बीजापुर	255230	6562	38	984	40.86
15	रायपुर	2160876	2914.37	742	963	80.52	32	कोण्डागांव	578824	6050.73	96	1033	56.21
16	बलौदाबाजार	1078911	3741.93	288	1004	71.07	33	सुकमा	250159	5635.79	44	1017	34.81
17	गरियाबंद	597653	5822.86	103	1020	68.26							

स्त्रोत :- विकिपीडिया,medbox.iiab.me,Indiastatdistricts,छत्तीसगढ आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 पृष्ठ संख्या 21,22,23, जिला मुख्यालय , भारत का भूगोल (छत्तीसगढ पृष्ठ 16), विभिन्न समाचार पत्र और Youtube चैनल, छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान

छत्तीसगढ की जनसंख्या, घनत्व लिंगानुपात, साक्षरता प्रतिशत 2024

तालिका :-10

क्र	जिला	जनसंख्या 2024	क्षेत्रफल	घनत्व 2024	लिंगानुपात 2024	साक्षरता	क्र	जिला	जनसंख्या 2024	क्षेत्रफल	घनत्व	लिंगानुपात	साक्षर-ता
1	बिलासपुर	2095112	3508.48	597	967	74.46	18	धमतरी	887603	4081.93	217	1016	78.36
2	गौ-पेन्ड्रा-मरवाही	385961	2307.39	167	1003	65.21	19	महासमुंद	1211514	4963.01	244	1016	71.02
3	मुंगेली	919731	2750.36	334	966	64.75	20	दुर्ग	1933787	2238.36	864	982	82.56
4	जांजगीर-चांपा	1143441	2375.59	482	964	74.49	21	बलोद	892403	3527	253	1028	80.28
5	सक्ति	796394	1477.41	539	991	71.00	22	बेमेतरा	1065054	2851.81	374	984	69.87
6	रायग	1294927	5203.89	248	988	73.56	23	राजनां	1034902	4323.42	239	1003	78.46

	ढ							दगांव					
7	सारंगढ़-बिलाईगढ़	726131	2603.97	278	990	71.01	24	खैरा-छु-गंडई	446213	1553.84	287	1014	70.01
8	कोरबा	1407074	6598	213	973	72.27	25	मो-मा-अंबागढ़	318533	2145.29	148	1015	75.69
9	सरगुजा	969561	5732.24	169	985	60.86	26	कबीर धाम	1090934	2854.81	382	992	60.85
10	बलरामपुर	868992	7213	121	978	57.98	27	बस्तर	964209	6596.90	146	1025	53.15
11	सूरजपूर	921825	2786.76	331	987	60.95	28	कांकेर	844638	6265.37	135	1007	70.29
12	कोरिया	318638	2377.17	134	983	71.47	29	दंतेवाड़ा	323997	3410.50	95	1027	48.63
13	म-चि-भरतपुर	407388	4226.83	96	998	70.04	30	नारायणपुर	160575	4653	35	983	48.62
14	जशपुर	956808	5838	164	1011	67.92	31	बीजापुर	271796	6562	42	971	40.86
15	रायपुर	2739953	2914.37	940	973	80.52	32	कोण्डागांव	667403	6050.73	111	1048	56.21
16	बलौदाबाजार	1507472	3741.93	403	997	71.07	33	सुकमा	264755	5635.79	47	998	34.81
17	गरियाबंद	686275	5822.86	118	1025	68.26							

स्त्रोत :- विकिपीडिया,medbox.iiab.me,Indiastatdistricts,छत्तीसगढ आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 पृष्ठ संख्या 21,22,23, जिला मुख्यालय , भारत का भूगोल (छत्तीसगढ पृष्ठ 16),

छत्तीसगढ में जनसंख्या का प्रतिरूप :-

भारत का क्षेत्रफल 3287263 वर्ग किलोमीटर फैला है । जिसमें छत्तीसगढ राज्य का क्षेत्रफल 135192 वर्ग किलोमीटर भाग जो देश का 4.1 प्रतिशत घेरता है । इस भाग पर उच्चावच विषमता देखी जाती है । प्रदेश में मैदानी भाग 50.34 प्रतिशत ,दण्डकारण्य क्षेत्र 28.91 प्रतिशत तथा पूर्वी बघेलखण्ड 16.16 प्रतिशत और जशपुर सामरीपाट 4.59 प्रतिशत भाग घिरा हुआ है । इन क्षेत्रो के मैदानी भागो में जनसंख्या का जमाव 63.86 प्रतिशत तथा दक्षिण छत्तीसगढ भागो में 12.10 प्रतिशत शेष लोगो का जमाव सरगुजा संभाग के पठारी या पाट क्षेत्र में निवास है । प्रदेश के जिला मुख्यालय तथा मुख्य नगरो में जनसंख्या का जमाव अधिक है ।

छत्तीसगढ में जनसंख्या प्रतिरूप 2011

तालिका :- 11

क्र	जनसंख्या (लाखो में)	जिला की संख्या	जिले का नाम	कुल जनसंख्या	प्रतिशत
1	0 - 2	01	नारायणपुर	139820	0.55
2	2 - 4	08	सुकमा,बीजापुर, कोरिया,दंतेवाड़ा, मो- मा -अंबा ,गौ-पे-म, खैरा-छु-गं , मने- चि - भरतपुर	2436596	9.54
3	4 - 6	02	कोण्डागांव, गरियाबंद	1176477	4.61
4	6 - 8	08	सारंगढ़ -बिलाईगढ़, सक्ति,मुंगेली,बलरामपुर, कांकेर, सूरजपूर, बेमेतरा, धमतरी	5826192	22.80
5	8 -10	07	कबीरधाम, बलोद, बस्तर, सरगुजा,जशपुर, राजनांदगांव, जांजगीर-चांपा	6026500	23.59
6	10 -12	03	महासमुंद, बलौदाबाजार, रायगढ	3224647	12.63
7	12 अधिक	04	कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर	6714966	

छत्तीसगढ

प्रदेश की जनसंख्या प्रतिरूप 2011

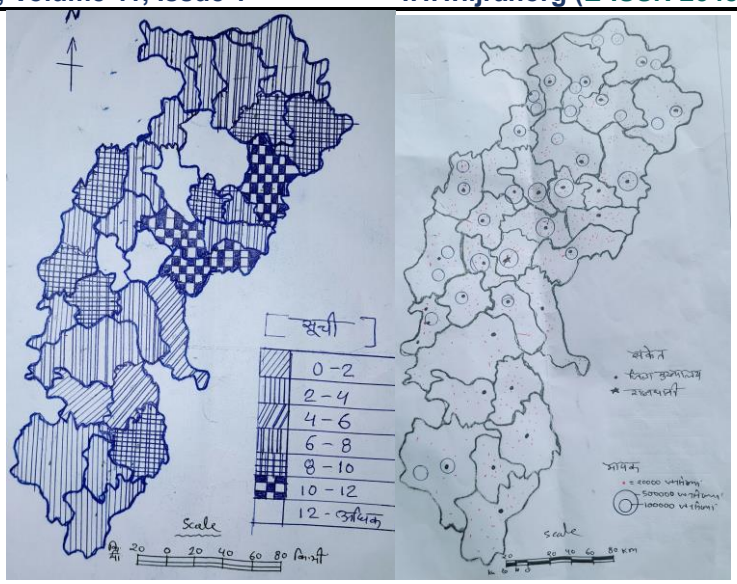

छत्तीसगढ में जनसंख्या वितरण और घनत्व :-

जनसंख्या वृध्दि भौतिक जनसांख्यिकीय प्रक्रिया है जिसके साथ अन्य सभी जनसंख्यिकी विशेषताएं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप सें जुड़ी हुई है। यह जनसंख्या के घनत्व वितरण प्रतिरूप और सूचना को निर्धारित करता है। जीवन स्तर और प्रति व्यक्ति आय जैसे आर्थिक कारणो से प्रभावित होता है। इसलिए भौगोलिक अध्ययन में जनसंख्या परिवर्तन की प्रकिया की समझ आवश्यक है। जनसंख्या का असमान वितरण मानव जीवन के विभिन्न पहलु को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। इसलिए जनसंख्या के वितरण का विश्लेषण करना आवश्यक है क्योकि यह विकास की भविष्य की योजनाए, राजनीतिक चालो और विकास की रफ्तार को प्रभावित करते है। अतः जनसंख्या वितरण तथा घनत्व को **प्रभावित करने वाले कारक निम्न है -**

A.भौतिक कारक :-

जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक में महत्वपूर्ण है जो निम्न है -

1.भू - आकृति :-

किसी भी प्रदेश की जनसंख्या वितरण प्रतिरूप को प्रभावित करता है इसमें मौजूद ढलान तथा उच्चावच इन दोनो गुणा पर जनसंख्या का घनत्व एंव वितरण बहुत प्रभावित करता है। छत्तीसगढ में अधिकांश आर्कियन ,धारवाड शैल समूह, गोंडवाना शैल समूह महत्व है। इन शैल समूह में विभिन्न प्रकार के मुख्य तथा गौण खनिज पाया जाता है जिनमें बहुमूल्य खनिज सोना, चांदी,लौह-अयस्क ,बॉक्साइट, कोयला,चूना पत्थर, टिन खनिज महत्वपूर्ण है।

2. मिट्टी या मृदा :-

छत्तीसगढ को धान कटोरा भी कहते है। इसका कारण छत्तीसगढ में पायी जाने वाली उपजाऊ जमीन है। प्रदेश में 50 प्रतिशत से अधिक लाल-पीली मिट्टी (मटासी) पायी जाती है और लाल बलुई (टिकता मृदा) बस्तर क्षेत्रो में जिसमे मोटे अनाज के लिए अधिक महत्वपूर्ण है। राज्य के उत्तरी भागो पाट क्षेत्रो में लेटराइट मिट्टी तथा नदी घाटी भाग मे जलोढ़ मृदा पायी जाती है। छत्तीसगढ के पूर्वी भाग में काली मिट्टी मिलती है जो गन्ना,कपास गेहूं के लिए महत्वपूर्ण है। किसी प्रदेश में जनसंख्या वृध्दि का कारण कृषि उत्पादित पदार्थो (खाद्य पदार्थ) का महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

3.अपवाह तंत्र :-

नदी घाटी क्षेत्रो में प्राचीन काल से ही मानव निवास करता रहा है। प्रदेश में मुख्य 4 अपवाह तंत्र पाया जाता है जिनमें सें महत्वपूर्ण महानदी (56.15%),गोदावरी (28.64%) तथा सोन नदी (15.63%) अपवाह है। इन भागो से नदी से शुध्द जल प्राप्त तथा उपजाऊ जमीन भी प्राप्त होती है जो जनसंख्या वृध्दि का मुख्य कारण माना गया है।

4. जलवायु :-

किसी भी प्रदेश में जनसंख्या का जमाव में जलवायु कारक अधिक महत्वपूर्ण हैं। यदि जलवायु कष्ट दायक हो तो मानव का बसावट कम या नाममात्र हो सकती है। प्रदेश में उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु पायी जाती है। छत्तीसगढ प्रदेश का समुद्रीय सतह से उचाई कम और निकटता भी यहां की जलवायु को प्रभावित करती है। प्रदेश में औसत वार्षिक वर्षा 1200 मि.मी या 129 से.मी होती है यहां गर्मी का तापमान 34°- 36° सेल्सियस जो मानव निवास स्थान को प्रभावित करती है।

B.आर्थिक कारक :-

जनसंख्या वृदि में आर्थिक कारको का भी योगदान है आर्थिक विकास किसी भी प्रदेश के विकास या समृध्दि में महत्वपूर्ण योगदान का मानक माना गया है। छत्तीसगढ राज्य 23 वर्ष का युवा प्रदेश पुरे देश का प्रगतिशील और अग्रदूत बनने में अग्रसर है। देश का 4.1 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र को समाहित कर विपुल खनिज सम्पदा और वन बाहुल्य से परिपूर्ण शांतिप्रिय राज्य का दर्जा हासिल किया है। किसी प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद उस देश के विकास या आर्थिक प्रगतिशील कारक माना गया है। छत्तीसगढ के सकल घरेलू उत्पाद सन् 2023 आर्थिक विकास में योगदान 7. 69 प्रतिशत वृदि माना गया है। राज्य में क्षेत्रवार योगदान (2023 - 24) कृषि में 20.49 प्रतिशत, उद्योग 44.69 तथा सेवा क्षेत्र में 34.82 प्रतिशत वृध्दि अनुमानित है।

1.छत्तीसगढ प्रदेश के कृषि क्षेत्र में विकास :-

राज्य एक कृषि प्रधान प्रदेश है 80 प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से निर्भर है प्रदेश में ग्रामीण का प्रतिशत 76.76 है इनमें से अधिकांश परिवार कृषि कार्यो में लगे हुए है प्रदेश में कृषि विकास का मुख्य कारण सिचाई क्षमता है जिसका प्रतिशत 38.75 प्रतिशत तथा उपजाऊ जमीन रही है। प्रदेश के वर्तमान में 69 कृषि उपज मीडिया एंव 118 उप मीडिया कार्यरत है। सरकार की विभिन्न योजनाए ने भी योगदान दिया है जिस कारण कृषक परिवार मे आत्मविश्वास बढ़हा हैं। जनसंख्या के वितरण और खाद्यान्न प्राप्ति एक दूसरे के पूरक है। जिन क्षेत्रो में खाद्यान्न का अधिक उत्पादन है वहां जन घनत्व अधिक पाया जाता है।

2.औद्योगिक क्षेत्र में विकास :-

छत्तीसगढ राज्य खनिज संसाधन की दृष्टिकोण सें भरपुर हैं और उत्पादन मूल्य अखिल भारतीय स्तर पर उत्पादन मूल्य 15.74 प्रतिशत योगदान रहा है। प्रदेश में मुख्य तथा गौण खनिज दोनो ही पाया जाता है। छत्तीसगढ राज्य का लगभग 27 प्रतिशत राजस्व खनिजो सें ही होती हैं। देश के आर्थिक विकास में औद्योगिक का योगदान महत्वपूर्ण है। नई औद्योगिक नीति 2019 -24 में विभिन्न औद्योगिक प्रोत्साहन /स्टार्टअप योजनाए लागू की गई है। प्रदेश में वर्तमान में पंजीकृत उद्योग की संख्या 5326 हैं। जिससे विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ साथ अनेक प्रकार की वस्तुएं उत्पादित करते है।

छत्तीसगढ राज्य में स्थायी शासन व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, खनिज संसाधन, श्रम शक्ति, शांतिपूर्ण माहौल जो निवेशक को आकर्षित किया है। ग्रामीण क्षेत्र में कुटीर उद्योग के विकास नें तीव्र विकास सुनिश्चित कर एंव का प्रयास किया जा रहा हैं। छत्तीसगढ राज्य के जीडीपी में औद्योगिक हिस्से दारी का योगदान (2023 -24) में 21.19 प्रतिशत एवं वृध्दिदर 5.11 प्रतिशत है। सरकार के व्दारा अपने नगरीको के विकास के लिए ऋण सहायता प्रदान करती है प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजनाओ के माध्यम से अपने लोगो का भविष्य, उज्जवल करने का प्रयास कर रही है।

3. विकसित परिवहन एंव संचार :-

किसी भी स्थल पर पहुंच एंव सम्पर्क की सुचारु व्यवस्था जन घनत्व पर सीधा प्रभाव पड़ता है। प्रदेश के आर्थिक एंव सामाजिक विकास के लिए परिवहन एंव संचार महत्वपूर्ण साधन है जो व्यक्तियो को गतिशील बनाती है। जिससे वे जीवन यापन हेतु रोजी रोटी की व्यवस्था ,शिक्षा , स्वास्थ्य और मनोरंजन सुविधाए प्राप्त कर सके । छत्तीसगढ में मैदानी भाग पर जनसंख्या घनत्व अधिक किन्तु उत्तरी पठारी तथा दण्डकारण्य क्षेत्रो घनत्व कम है। छत्तीसगढ के मैदानी भाग में रेल तथा सड़क परिवहन सुविधा का अधिक विकास हुआ है। प्रदेश के उत्तर तथा दक्षिण भाग में परिवहन मार्ग का निर्माण कम हुआ और जनसंख्या घनत्व भी कम है। छत्तीसगढ राज्य में रेल एंव वायु परिवहन की अपेक्षा सड़क मार्गो का अधिक विकास हुआ है। संचार माध्यम में डाक ,टेली फोन (मोबाइल) इंटर्नेट सहित सेवाए आदि का विकास ग्रामीण तथा नगरो तीव्र गति से बढ़ रहा है।

C. स्वास्थ्यकर जलवायु :-

किसी भी प्रदेश में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप और घनत्व प्रत्यक्ष रुप से प्रभावित होता है। प्रदेश का जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसूनी है और दक्षिण भाग अबूझमाड़ अधिक वर्षा तथा अधिक तापमान रायगढ में पाया जाता है। छत्तीसगढ का अधिक तापमान 34°-35° सेल्सियस तथा न्युनतम तापमान 15°-17° सेल्सियस रहता है। प्रदेश का उत्तरी भाग मेनपाट छत्तीसगढ का शिमला तथा छत्तीसगढ का काश्मीर चैतुरगढ़ (कोरबा) को भी कहते है ।

D. सुरक्षा :-

जनसंख्या के जमाव एंव बसावट में सुरक्षा महत्वपूर्ण कारक है प्रदेश एक शांतिपूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त है ,लेकिन प्रदेश के दक्षिण भाग में सुकमा ,बीजापुर, दंतेवाड़ा,बस्तर इलाके नक्शल ग्रसित क्षेत्र है इन कारणो के कारण जनसंख्या जमाव कम है किन्तु इन भागो के जिला मुख्यालय में जनसंख्या अनुमानित वृध्दि हुई है। जनसंख्या का अधिकांश जमाव छत्तीसगढ के मध्य भाग रायपुर , बिलासपुर , दुर्ग संभाग में हैं। व्यक्ति वहीं निवास करता है जहां उसके जान - माल की रक्षा हो सके इस कारण व्यक्ति सुरक्षित स्थान में निवास करती है।

छत्तीसगढ का जनसंख्या वितरण प्रतिरूप एंव घनत्व

तालिका :-12

क्र	जनसंख्या घनत्व	संख्या	जिले का नाम
1	0 - 50	03	सुकमा,बीजापुर, नारायणपुर
2	51 - 100	03	कोण्डागांव , दंतेवाड़ा ,मने-चि- भरतपुर,
3	101 -150	10	कांकेर, बस्तर, मो-मा-अम्बा,खै-छू-गंडई, गरियाबंद , गौ-पे-म ,सरगुजा,कोरिया,बलरामपुर जशपुर
4	151 - 200	02	धमतरी ,कोरबा,
5	201 - 250	05	राजनांदगांव, बलोद,महासमुंद, सारंगढ़, रायगढ
6	251 - 300	04	कबीरधाम, बेमेतरा,बलौदाबाजार, सूरजपूर
7	301 - 350	01	मुंगेली
8	351 - अधिक	05	दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, सक्ति,जांजगीर - चांपा
योग :-		33	

छत्तीसगढ जनसंख्या वितरण प्रतिरूप एंव घनत्व

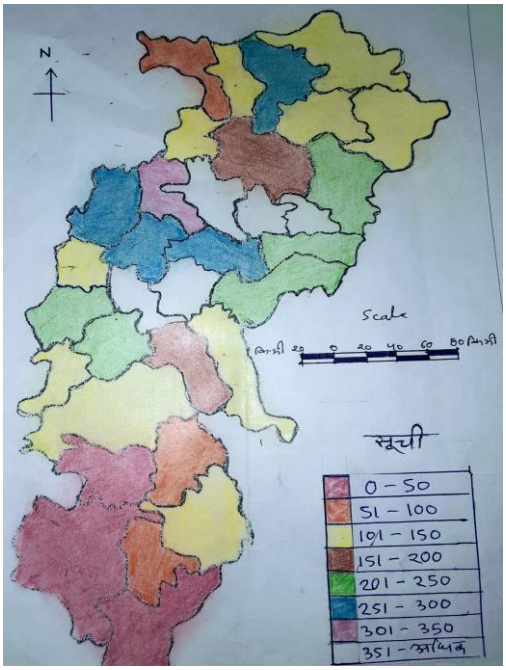

छत्तीसगढ में जनसंख्या घनत्व का प्रादेशिक वितरण

135192 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले छत्तीसगढ की जनसंख्या 2.55 करोड़ प्रदेश के सभी भागो में समान रुप से वितरित नहीं किया जा सकता है। सन् 2001में जनसंख्या घनत्व 154 प्रति वर्ग किलोमीटर था जो बढ़कर 189 प्रति वर्ग किलोमीटर हो गाया है। यदि प्रदेश के सम्पूर्ण जनसंख्या को उसके सभी भागो में समान रूप से वितरित कर दिया जावे तो प्रत्येक वर्ग किलोमीटर किसी क्षेत्र में 189 व्यक्ति अर्थात 1.89 व्यक्ति प्रति हेक्टेयर क्षेत्र में होगे। एक ओर दुर्ग में 769 व रायपुर में जनसंख्या घनत्व 742 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। एक ओर महानदी के मैदानी भाग में तथा शिवनाथ नदी के तटीय भागो में जनसंख्या मधुमक्खी के छत्ते की तरह समूहीकृत है तो दूसरी ओर दक्षिण भाग दण्डकारण्य क्षेत्र अबूझमाड़ के घने जगलो वाले भाग में घनत्व विरल है। छत्तीसगढ के कृषि प्रधान ग्रामीण क्षेत्र में उच्च जन घनत्व पाया जाता है। अत: प्रदेश की जन घनत्व के वितरण को चार भागो में बाटा गया है जो निम्न है।

A .उच्च घनत्व के क्षेत्र (400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर)

छत्तीसगढ में अधिकांश जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र नदी तटीय तथा औद्योगिक क्षेत्रो जो बिलासपुर, जांजगीर, रायपुर दुर्ग में जनसंख्या घनत्व अधिक है। कृषि आधारित उद्योग, चावल, दाल की मिले तथा लौह इस्पात संयंत्र, बिजलीघर, सीमेंट कारखानों आदि है। इन भागो में नगरीकरण अधिक है। यह भाग प्राचीन काल से ही बसे है अत: इन उच्च घनत्व के ऐतिहासिक कारण भी है।

B. मध्यम घनत्व क्षेत्र (200 - 400 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर)

छत्तीसगढ मध्यम घनत्व के क्षेत्र निम्न अथवा उच्च घनत्व के क्षेत्र के बीच में है। यह सभी क्षेत्र छोटे छोट खण्डो में है। अधिकांश क्षेत्र पश्चिम भाग के दुर्ग संभाग का क्षेत्र कुछ पूर्वी व उत्तरी भाग है इन क्षेत्र में खाद्यान्न तथा व्यापारिक फसलो का प्रति हेक्टेयर उत्पादन ऊंचा हैं। यहां शक्कर कारखाने तथा चावल मिले है कुछ भाग में खनन किया जाता है।

C.निम्न घनत्व (100 - 200 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर)

इन भाग में जनसंख्या घनत्व निम्न है छत्तीसगढ के दक्षिण भाग रायपुर संभाग के धमतरी ,गरियाबंद तथा कांकेर और उत्तरी भाग सरगुजा संभाग के जशपुर एंव कोरिया भाग । यह क्षेत्र पहाड़ी तथा पाट या पठारी है इन भाग में लेटराइट मृदा पायी जाती है। प्रदेश में यह क्षेत्र कृषि मानसून पर निर्भर है क्योकि इन क्षेत्र में सिचाई के साधनो की कमी के कारण कृषि भूमि की उत्पादकता कम है। केवल नदी तटीय व बिखरे नगरीय केंद्र में घनत्व कुछ अधिक है।

D. अति निम्न घनत्व (0 - 100 प्रति वर्ग किलोमीटर)

इन भागो में जनसंख्या घनत्व 100 से भी कम पाया जाता है प्रदेश के दक्षिण छत्तीसगढ बस्तर संभाग के अन्तर्गत नारायणपुर ,सुकमा, बीजापुर , कोण्डागांव तथा दंतेवाड़ा है यह क्षेत्र आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़ा हुआ है। बस्तर संभाग आदिवासी जनजातीय बहुल क्षेत्र घने वनोपज के कारण एंव नक्सली घटना के कारण जनसंख्या घनत्व कम है।

जनसंख्या वृध्दि का प्रभाव या परिणाम :-

जनसंख्या वृध्दि एक सापेक्ष शब्द है देश के उत्पादित खाद्यान्नो या उपलब्ध संसाधनो के परिप्रेक्ष्य में अधिक तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या आर्थिक वृध्दि दर और सामाजिक संतुलन दोनो में नकारात्मक ढ़ग से प्रभावित करती है जनसंख्या नियंत्रण का विकास एंव बेहतर जीवन स्तर से गहरा संबंध है। छत्तीसगढ में बढ़ रही आबादी हमारे राज्य के विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। यह राज्य के विकास गतिविधियो को लगातार अपर्याप्त साबित करने पर लगी हुई है। यही कारण है कि देश के नीति निर्माता का ध्यान निरन्तर जनसंख्या नियंत्रित करने के प्रयास पर लगी रहती है। कृषि प्रधान समाज की मान्यताएं हमारी अज्ञानता,निर्धनता ,अंधविश्वास तथा शहरो एंव गांव के बीच खाई ही इस समस्या दिखाई देती है। गांव से शहरो की ओर पलायन,आवास, खाद्यान्न एंव जलापूर्ति की समस्या ,पारिस्थिति असन्तुलन आदि बढ़ती आबादी का परिणाम है। निम्न समस्या है :-

A .पर्यावरण समस्या :-

जनसंख्या वृध्दि के परिणाम सर्वप्रथम पर्यावरण हानि है। प्राचीन काल मे अधिकांश भाग में जनसंख्या काफी हद तक स्थिर थी। लेकिन आविष्कार और औद्योगिकीकरण के परिणाम स्वरूप भोजन ,पानी ,उर्जा ओर चिकित्सा आदि में सुविधा के परिणाम स्वरूप मानव आबदी तेज जी बढ़ती जा रही है। जिसकी वैश्विक जलवायु ओर पारिस्थितिकीय तंत्र पर नाटकीय प्रभाव है जो निम्न है :-

वायु प्रदूषण :-

छत्तीसगढ में तेजी से बढ़ता औद्योगिकीकरण तथा कारखानो की संख्या में वृध्दि तथा मोटर वाहन की संख्या के परिणाम स्वरूप, विभिन्न प्रकार की जहरीली गैस (कार्बन डाई आक्साइड, कार्बन मोनो आक्साइड , सीसा ,सल्फर डाई आक्साइड) हमारे वायुमंडल में बढ़ती जा रही है। प्रदेश मे वर्तमान 5326 उद्योग तथा 75 लाख वाहन हैं। ऐसा आनुमान है छत्तीसगढ में बिजलीघर सें लाखो टन राख तथा धुलाई एंव गैस वायुमंडल में मिलती जा रही है। जिसका परिणाम मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। शहरी भाग में श्वसन समस्या, कैंसर, अम्लीय वर्षा आदि। छत्तीसगढ में प्रतिवर्ष हजारो मोटर वाहन से निकलता कार्बन मोनो आक्साइड गैस,सीमा ,कार्बन नाइट्रोजन आक्साइड के कारण प्रतिवर्ष हजारो लोगो की मृत्यु हो जाती है।नगरो के ऊपर व्याप्त धुंध का सम्बन्ध जब सल्फर डाई आक्साइड से हो जाता है तो जहरीले नगरी कुहरे का निर्माण होता है।

छत्तीसगढ में प्रदूषण करने वाले प्रमुख उद्योग

तालिका 13

क्र	उद्योग	संख्या	उत्सर्जित वायु प्रदूषण
1	एकीकृत इस्पात संयंत्र	03	कण(धात्विक),कार्बन मोनो ऑक्साइड, फ्लोराइड कण
2	स्पंज आयरन संयंत्र	91	कण(धात्विक),कार्बन मोनो ऑक्साइड, फ्लोराइड
3	ताप विद्युत ग्रह (कोयला)	32	कार्बन डाई ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड
4	ताप विद्युत ग्रह (बायोमास)	25	कार्बन डाई ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड
5	ऐल्युमिनियम संयंत्र	01	फ्लोराइड कण
6	सीमेंट		फ्लोराइड कण
7	खाद्य उर्वरक संयंत्र	02	अमोनिया ,फ्लोराइड कण
8	पेपर संयंत्र	04	अमोनिया ,फ्लोराइड कण
9	शक्कर संयंत्र	04	अमोनिया ,फ्लोराइड कण
10	असंगठित संयंत्र	03	अमोनिया ,फ्लोराइड कण
11	कोयल वाशरी (धुलाई संयंत्र)	31	कण (कोयला)
12	खनिज खनन	78	कण(धात्विक)
13	अन्य संयंत्र	141	— — -

जल प्रदूषण :-

छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि का एक प्रभाव जल संसाधन पर पड़ा जिसके कारण जल संरक्षण की बात पर ध्यान केंद्रित हुआ हैं। क्योकि इतनी जनसंख्या को शुध्द जल उपलब्ध करना या प्राप्त करना मुश्किल हो रहा है। मानवीय कालोनियो तथा घरो ,अस्पताल एंव कारखानो से प्रदूषित जल नदिया में डाला जा रहा है। जिससे नदिया का जल प्रदुषित हो रहा है। इन प्रदुषित जल के उपयोग से विभिन्न प्रकार सें जलजनित रोग हैजा ,दाग, आदि बीमारिया होती जा रही है। इन बीमारियो से व्यक्तियो की मोत या मृत्यु हो जाती है साथ ही खेती में रासायनिक खाद के उपयोग या छिड़काव से जल के सम्पर्क के कारण जल प्रदूषित हो जा रहा है।

मृदा प्रदुषण :-

छत्तीसगढ प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। राज्य में जनसंख्या के पोषण या खाद्यान्न आपूर्ति के लिए भूमि पर अधिक दाब के कारण मृदा में रासायनिक खाद का उपयोग एंव प्रयोग अधिक हो हो रहा है। अधिक उत्पादन के लिए जहां रासायनिक खाद का प्रयोग बढ़ता जा रहा वहीं मृदा की उपजाऊ पन में कमी होता जा रहा है। इसका परिणाम भूमि का बंजर होना। आधुनिक खेती के नाम पर भी कीटनाशक एवं रासायनिक उर्वरक का उपयोग अत्यंत कर रहे है।

ध्वनि प्रदुषण :-

छत्तीसगढ में 23 वर्षो के विकास के इस चरणो से जहां कारखानो की संख्या में वृध्दि ,बिजलीघर ,मोटर वाहन गाड़ी से निकलने वाली ध्वनि से ध्वनी प्रदुषण बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रो के मुकाबले शहरी क्षेत्रो में ध्वनी प्रदुषण अधिक है।शहरीकरण के कारण इन क्षेत्रो में जनसंख्या की सघनता ,मोटरसाइकिल ,और लाउडस्पीकर की आवाज आदि प्रदूषण बड़ रहा है।

B. बेरोजगारी की समस्या

छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि का परिणाम बेरोजगारी की समस्या है। एक तरफ सरकार सरकारी योजनानुसार अनुसार रोजगार देने का प्रयास सरकार करती है। लेकिन जनसंख्या के अनुपात में सभी को रोजगार प्रदान करना सम्भव नहीं है।शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रो में बेरोजगारी या बेकारी की समस्या एक गम्भीर है। छत्तीसगढ में बेरोजगारी का मुख्य कारण शिक्षा और कौशल की कमी है। बेरोजगारी से व्यक्ति और समाज का सम्रग से विकास एंव

अर्थ व्यवस्था को प्रभावित करता है इससे जीवन स्तर में कमी ,अपराध दर में वृध्दि और सामाजिक अंशाति हो सकती है जो एक गभीर समस्या है।भारतीय शिक्षा प्रणाली नौकरिया के लिए आवश्यक सही प्रशिक्षण और विशेषज्ञता प्रदान नही करता है। राज्य में संरचनात्मक बेरोजगारी अधिक मात्रा में पाया जाता है। यह एक बाजार में उपलब्ध नौकरियो और श्रमिको के कौशल के बीच असंतुलन होने से उत्पन्न बेरोजगारी है।

C.आवास की समस्या

छत्तीसगढ में जनसंख्या के परिणाम स्वरूप सभी प्राणियो के लिए आवास उपलब्ध कराना सम्भव नहीं है। राज्य और केंद्रीय योजनाओ के तहत आवास देने का प्रयास सरकार कर रही है ,लेकिन जनसंख्या के अधिकता के कारण संभव नहीं है। जिस कारण मलिन बस्तियो का जन्म हो जाता है मलिन बस्ती का मुख्य कारण शहरो की ओर आकर्षित होना है। शहरी क्षेत्र मे रोजगार के लिए बाहर राज्यो तथा ग्रामीण इलाको से नगर की ओर प्रवास होता है नगरीय क्षेत्रो मे उच्च किराया एवं भवन की कमी के कारण लोग मलिन बस्तियो में रहने को बाध हो जाते है। मलिन बस्तियो में मानव जीवन अमानवीय दशाएं में व्यतीत हो रहा है। झुग्गी झोपड़ियो में अपराध, वेश्यावृति ,अस्वस्थ जीवन, उदासीनता अपेक्षित हो रहा हैं।

D. कूड़े-करकट की समस्या

छत्तीसगढ में प्रतिदिन हजारो टन कूड़े-करकट घरो से निकलता हैं। अवशिष्ट पदार्थ का अर्थ अनुपयोगी या कचरा है। किसी भी पदार्थ का प्राथमिक उपयोग करने या होने के बाद जो शेष बचता है उसे अवशिष्ट पदार्थ कहते है ।शहरो में नगरपालिका के व्दारा शहरी क्षेत्र में हजारो टन कचरा दोहन करती है। भारत सरकार राज्य शासन के सहयोग सें स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहरो में सफाई किया जाता है वह कूड़े-करकट कचरा नगर की बाहरी सीमा में एकत्र किया जाता है।जिसके कारण उससे निकलने वाली जहरीली गैस पर्यावरण को प्रदूषित करती है।

उपाय :-

1.विवाह की आयु में वृध्दि करना

, लड़के और लड़किया के विवाह की न्युनतम आयु को बढ़ाया जाए। जितनी देर में विवाह किया जाता है वैवाहिक जीवन में उतने ही कम बच्चे पैदा होते है। अधिक उम्र में विवाह होने से लड़किया को शिक्षा प्राप्त करने और अन्य सांस्कृतिक कार्यो में भाग लेने की ओर रुची बढ़ेगी। इससे सन्तानोत्पति को प्रोत्साहन नही मिलेगा,अभी स्त्री तथा पुरुष का विवाह की आये 18 - 21 है। सरकार ने आयु बढाने पर विचार हो रहा है।

2. उत्पादन में वृध्दि

व्यक्ति के जीवन के लिए तीन आवश्यक कारक - रोटी- कपड़ा - मकान है। अधिक उत्पादन की वृध्दि से मनुष्य की भौतिक रुची बढ़ जाती है और उसका रहन सहन का स्तर ऊंची हो जाता है। व्यक्ति अपने भविष्य के लिए योजनाए बनाने लगता है। अत: कृषि और औद्योगिक उत्पादन में वृध्दि करना आवश्यक है।

3. कृषि की पुनर्व्यवस्था

कृषि का पुनर्व्यवस्था करना चाहिए छत्तीसगढ सरकार नें कृषि को उद्योग का दर्जा दिया लेकिन सुविधा दी जाने चाहिए। भूमि की गहरी जुताई करना व उन्नत बीज और कृषि के आधुनिकतम साधनो व जैव तकनीक का प्रयोग करके तेजी से प्रति हेक्टेयर उपज बढाना चाहिए । परती भूमि का उपयोग किया जाए तथा 36 प्रतिशत सिचाई सुविधा को बढ़ाया जाए और अनेक सिचाई संसाधन का विकास करना चाहिए। कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ साथ कृषक की दशा तेजी से सुधार के लिए प्रत्येक गाँवो में अनेक प्रकार के लघु उद्योग की स्थापना करना चाहिए।

4.औद्योगिक विकास

औद्योगिक विकास को तहसील व जिला स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रो में भी प्रोत्साहन देना चाहिए। जिससे बेरोजगार व गरीब ग्रामीणो को रोजगार उपलब्ध होगा। प्रदेश में तकनीकि ज्ञान और कौशल विकास कर उनमें रोजगार में जोड़ा जाए ।

5. परिवार नियोजन साधनो का उपयोग

वर्तमान बच्चे देर से स्वेच्छा से हो इसके लिए सरकार एंव अनेक संस्थान कार्यरत है।शहरी क्षेत्रो की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रो में नियोजन के साधनो का उपयोग कम हो पाता है।इसका कारण स्त्रियो की शिक्षा की कमी है। यदि स्त्री शिक्षित होगी तो परिवार खुशहाल होगा।आज भी पुरुष के मुकाबले स्त्री साक्षरता में कमी है। इसे हमे बढ़ाना चाहिए ।

6. शिक्षा का प्रसार

परिवार के आकार को रोकने में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा से मनुष्य अधिक उतरदायित्व और विवेकपूर्ण होकर जीवन के प्रति अच्छी सोच या दृष्टिकोण रख सकता है। गांव के बच्चो को खेती से एंव बाल श्रम से अनिवार्यता हटाकर पाठशाला की आकर्षित किया जाए। शिक्षा से ग्रामीण क्षेत्रो में जीवन स्तर ऊंचा होगा और विवाह लड़किया का 18 के बाद करने तथा स्त्री शिक्षा के महत्व का प्रचार प्रसार करना चाहिए ।

निष्कर्ष:-

निष्कर्ष में कह सकते है कि छत्तीसगढ प्रदेश एक समृद्ध राज्य है यह तीव्र गति से विकास कर रहा है। छत्तीसगढ राज्य में सन् 2001 मे जो जनसंख्या का स्वरूप था वह सन् 2011में बदल गया है। छत्तीसगढ राज्य के वर्तमान समय में 5 संभाग, 33 जिला 251 तहसील है। छत्तीसगढ के आर्थिक सर्वेक्षण 2024 के अनुसार जनसंख्या अनुमानित 30524000 करोड़ लोग इस राज्य मे निवास करते है। वितरण एंव घनत्व प्रदेश में विभिन्नता देखने को मिलती है। छत्तीसगढ के मैदानी भागो में जनसंख्या का जमाव अधिक घना है लेकिन पाट तथा पठारी भागो में जनसंख्या का जमाव कम दिखाई देता है। प्रदेश 23 वर्ष का युवा राज्य हैं।

यहां खनिज संसाधन की बहुलता है। इस भाग में खनिज आधारित उद्योग संयंत्र की संख्या अधिक एंव बिजलीघर की भी संख्या अधिक है। इस से अनेक लोगो को रोजगार प्रदान हो रहा है।छत्तीसगढ कृषि प्रधान प्रदेश तथा धान का कटोरा भी कहते है। कृषि कार्य हेतु अधिक व्यक्तियो की आवश्यकता होती है। इस कारण से जनसंख्या वृध्दि हो रही है।प्रदेश में जनसंख्या वृदि 22.61 प्रतिशत तथा जनसंख्या घनत्व 189 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर है।

जनसंख्या वृध्दि कारण उच्च जन्म दर निम्न मृत्युदर, भौतिक, आर्थिक, सामाजिक कारको का भी प्रभाव पड़ता है प्रदेश मे लिंगानुपात 1000 पुरुष में 991 महिला है इसका परिणाम,बेरोजगारी,निर्धनता,मलिन बस्ती की समस्या, अवशिष्ट पदार्थ के विसर्जन की समस्या ,प्रदुषण आदि है। प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के कारण अन्य राज्यो के लोग भी आकर्षित हो रहे है जिससे अनेक रोजगार के साधनो के कारण लोगो को काम मिल रहा है साथ ही नगरी जनसंख्या में वृध्दि हो रही है।

संदर्भ ग्रंथ :-

- **पंडा,बी.पा :- जनसंख्या भूगोल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल।**
- **चांदनी,आर.सी :- जनसंख्या भूगोल ,कल्याणी पब्लिकेशन नई दिल्ली।**
- **मौर्य,एस.डी. :- जनसंख्या भूगोल ,शारदा पब्लिकेशन, इलाहाबाद**
- **सिह जगदीश,एंव सिह,के.एन.:- आर्थिक भूगोल के मूल तत्व , ज्ञानोदय प्रकाशन ,गोरखपुर**
- **हसन ,एम.आई(2008):-जनसंख्या भूगोल, रावत प्रकाशन जयपुर**
- **साहू, गौरी :- छत्तीसगढ में जनसंख्या का स्थानिक प्रतिरूप समस्याएं एंव सम्भावनाएं शोध प्रबंधन, पं.रविशंकर शुक्ल वि.वि.।**

- सिंह,ब्रेकअप्स कुमार :- इलाहाबाद जनपद में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप, शोध मंथन vol xl No - II Apr-june2020
- चौहान, पूजी :- शिवपुरी जिले का जनसंख्या प्रतिरूप:एक भौगोलिक विश्लेषण Global Journal vol.-5,Issue-9 ,Sep 2016
- भास्कर, प्रवीण कुमार:- वैशाली जनपद में बढ़ती जनसंख्या की समस्या एंव नियोजन ,JETIR- vol 5,Issue 3,2018
- अनार एंव ममता :-बेमेतरा जिला में जनसंख्या ,TJCRT :- vol- 11,Issue 3 March 2023

- बहादुर, राज : जौनपुर नगर की बढ़ती जनसंख्या : कारण प्रभाव एंव निवारण I IJCRT vol -9 Isse 6 June 2021
- बैरवा जयराम : भारतीय समाज में गंदी अथवा मलिन बस्तियो की समस्या IJERTIR April 2018, vol- 5 Issue 4
- सेठी,अर्चना : छत्तीसगढ में नगरीय जनसंख्या की प्रवृत्ति J.humanities and social science 2012 July - Sep. पृष्ठ 115 -118
- यादव,आर.एन : छत्तीसगढ के नगरीय जनसंख्या में वृध्दि की प्रकृति: एक भौगोलिक अध्ययन। शोध पत्र रिसर्च लिंक अक मार्च - मई 2006 पृष्ठ 66 -68
- यादव, आर. एन. :" मध्य प्रदेश में नगरीय विकास का प्रतिरूप पीएचडी
- सोनकर,निहारिका : विकासखंड शिवगढ़ जनपद प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) मे जनसंख्या की गत्यात्मक IJRRSS vol - 9 Issue 01 January March
- सिंह सुनीता : नगरीय जनसंख्या वृध्दि बदलती प्रवृतिया एंव समस्या योजना जुलाई 2003

- बंसल सुरेश चन्द्र : नगरीय भूगोल मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ उत्तर प्रदेश
- मौर्य ,आर.एन. ,सिंह ,आर.एन : नगरीय भूगोल शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद
- करण,एम.पी.: नगरीय भूगोल, किताब घर आचार्य नगर कानपुर I
- बंसल,एस .सी. :अधिवास एंव जनसंख्या भूगोल ,रस्तोगी पब्लिकेशन शिवाजी रोड,मेरठ
- तिवारी रामचन्द्र : अधिवास भूगोल, प्राधिकार पब्लिकेशन यूनिवर्सिटी इलाहाबाद
- मौर्य ,एस.डी : अधिवास भूगोल, शारदा पब्लिकेशन इलाहाबाद
- सिंह सविन्द्र :- पर्यावरण भूगोल
- भारत सरकार ट्राई पोर्ट पोर्टल
- छत्तीसगढ पर्यावरण एंव संरक्षण विभाग
- छत्तीसगढ आर्थिक सर्वेक्षण 2022 -23, और 23 - 24
- राज्य वित्त आयोग प्रतिवेदन
- विभिन्न जिला गजेटियर रिपोर्ट
- IBC24 NEWSPAPER 29 November 2022 .
- ALLGK New 2023
- Night.news 2023 -2-06
- हरिराम पटेल छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान